(क)क्या सरकार ने विद्यमान विमानन नीति में कतिपय अनियमितताओं को दूर करने के लिए तथा तेजी से बढ़ रहे उद्योग को और प्रोत्साहित करने के लिए हाल ही में एक व्यापक विमानन नीति लागू की हैं;

(ख)यदि हां, तो इसकी मुख्य-मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ग)क्या सरकार ने पांच अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तनों के सर्वांगीण विकास के लिए निजी क्षेत्र की सहभागिता आमंत्रित करने का विचार किया हैं; और

(घ)क्या उक्त नीति के अंतर्गत विमानपत्तनों को पूर्ण स्वायत्ता प्रदान करने का प्रावधान किया गया हैं?

नागर विमानन मंत्री (**श्री अनंत कुमार**) : (क) और (ख) सरकार इस मामले पर लगातार ध्यान दे रही है और संगत कारकों का ध्यान रखते हुए समय-समय पर आवश्यक परिवर्तन किए जाते हैं।

(ग)और (घ) सरकार ने दिल्ली, मुम्बई चेन्नई, कलकत्ता तथा बेंगलूर में बनाए जाने वाले नए विमानपत्तन को नियमितए करने का विनिश्चय किया हैं। भारतीय विमानपत्तन प्रधिकरण (भा.वि.प्रा.) द्वारा इन विमानपत्तनों को नियमित करने सम्बन्धी रीतियों पर सलाह देने के लिएए वित्तीय तथा विधि परामर्शदाताओं की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही हैं। विमानपत्तनों के निगमीकरण के फलस्वरूप विमानपत्तनों की स्वायत्तता बढ़ेगी।

Upgradation of Mangalore Airport

14. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether while inaugurating an extended building at Mangalore Airport, he stated that Government would raise the standard of airport to international airports by spending Rs. 120 crores on the project;

(b) whether any budget allocation in 1998-99 has been made for this purpose;

(c) whether any sanction has been obtained for this purpose; and .

(d) the time by when the expansion work will start and completed?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI ANANTH KUMAR): (a) to (d) There is a proposal to upgrade the infrastructure facilities at Mangalore Airport during 9th Plan period subject to transfer of land by State Government and availability of funds.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का वित्तीय निष्पादन

15. **लाला लाजपत राय** : क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क)क्या वर्ष 1999-2000 के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण हेतु बजट आवंटन कर दिया हैं;

(ख)क्या प्राधिकरण द्वारा विकास और विस्तार हेतु महाराष्ट्र और गुजरात के विमानपत्तनों को भी उक्त बजट के अंतर्गत शामिल किया गया हैं;

(ग)यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या हैं;

(घ)क्या सरकार ने वर्ष 1997-98 के लिए इसके वित्तीय निष्पादन की समीक्षा की हैं;

(ड.)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं और क्या उक्त अवधि के दौरान अर्जित आय और जनशक्ति की उपयोगिता के संबंध में कोई अनुपात लगाया गया हैं; और

(च)भारतीय विमानपत्तन प्रधिकारण को लाभप्रद उद्यम बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

नागर विमान मंत्री (**श्री अनंत कुमार**) : (क) जी, हां।

(ख)और (ग) जी, हां। 1999-2000 की वार्षिक योजना में भारतीय विमानपत्तन प्रधिकरण को महाराष्ट्र के लिए 86.80 ककरोड़ रूपए तथा गुजरात के लिए 23.82 करोड़ रूपए आवंटित किये गए हैं।

(घ) से (च) जी, हां। 1997-98 के लिए भारतीय विमापपत्तन प्राधिकरण के समग्र कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और नागर विमानन मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन ककी शर्तों के रूप में किया गया है और भारतीय विमानपत्तनम प्राधिकरण के कार्य-निष्पादन को 1997-98 के लिए "बेहतर" करार दिया गया हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 1995 में इसके अस्तित्व में आने से लेकर लगातार मुनाफा कमा रहा हैं।

Performance of AI and other PSUs under Civil Aviation Ministry

16. SHRI ANANTA SETHI: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Air India (AI) has been running at loss;

(b) if so, since when and the year-wise details thereof till 1997-98;